हरिभूमि

सागर-चम्बल भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, मंगलवार 30 जून 2026

सागर | खुरई | बांदरी | जरुआखेड़ा | बीना | बंडा | राहतगढ़

04 व्यापारी कल्याण दिवस पर भामाशाह के आदर्शों...

07 आशंका: बंजारा डैम जैसा न हो जाए इकलौद के पर्यटक स्थल का हाल

खबर संक्षेप

प्रभारी संयुक्त संचालक जनसंपर्क लक्ष्मण सिंह ने किया पदभार ग्रहण

सागर। संभागीय जनसंपर्क कार्यालय सागर में जनसंपर्क संचालनालय भोपाल से स्थानांतरित होकर आए प्रभारी संयुक्त संचालक जनसंपर्क लक्ष्मण सिंह ने सोमवार को पदभार ग्रहण कर लिया है। पदभार ग्रहण करने के उपरांत प्रभारी संयुक्त संचालक सिंह ने कार्यालय में उपस्थित स्टाफ का परिचय लिया और विभिन्न गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की।

30 जून से 3 जुलाई तक दिन में सड़क यातायात बंद

सागर। पश्चिम मध्य रेलवे के वरिष्ठ खंड अभियंता रेल पथ सागर पश्चिम द्वारा जारी सूचना के अनुसार, जरुआखेड़ा रेलवे यार्ड में समपार क्रमांक 12 स्पेशल (कि.मी. 1014/11-13) अप रोड पर ओवरहॉलिंग कार्य किया जाना है। यह कार्य 30 जून से 3 जुलाई तक प्रतिदिन प्रातः 8:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक किया जाएगा। इस अवधि में उक्त समपार पर सड़क यातायात का आवागमन बंद रहेगा।

अनिश्चितकालीन धरना 8वें दिन भी निरंतर जारी

सागर। नगर पालिक निगम के कर्मचारियों की लंबित समस्याओं एवं 13 सूत्रीय मांगों के निराकरण को लेकर सभी कर्मचारी संगठनों द्वारा चलाया जा रहा अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन सोमवार को 8 वें दिन भी जारी रहा। पुरानी निगम कार्यालय भवन परिसर में बड़ी संख्या में कर्मचारी एवं संगठन पदाधिकारी एकत्रित होकर अपनी मांगों के समर्थन में डटे रहे। धरना स्थल पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए नगर निगम नगर पालिका कर्मचारी संघ के प्रांतीय सचिव एवं सागर संभाग प्रभारी राजेश सिंह राजपूत, जिलाध्यक्ष शईदउद्दीन कुरैशी तथा कर्मचारी कल्याण मोर्चा के अध्यक्ष हरेंद्र खटीक ने कहा कि कर्मचारियों की 13 सूत्रीय विभिन्न मांगों एवं समस्याओं के संबंध में निगम प्रशासन द्वारा पूर्व में कई बार आश्वासन दिए गए, परंतु अभी तक कोई निराकरण नहीं किया गया है, उन्होंने स्पष्ट किया कि इस बार कर्मचारी केवल आश्वासनों पर भरोसा नहीं करेंगे और जब तक 13 सूत्रीय मांगों का ठोस समाधान नहीं हो जाता, तब तक आंदोलन एवं धरना-प्रदर्शन जारी रहेगा।

कसक फाउंडेशन के युवा कवियों ने किया सागर आकाशवाणी में काव्य पाठ

सागर। साहित्य,समाज और कला के लिए समर्पित कसक फाउंडेशन के युवा कवियों ने आकाशवाणी सागर के लोकप्रिय कार्यक्रम 'युववाणी' में कार्यक्रम अधिकारी हमारे प्रेरणा स्रोत दीपक निषाद के निदेशन में अपनी काव्य प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में युवा कवि अनिकेत दुबे,मीता कनौजिया 'सिम्मी' एवं हरिओम सेन ने अपनी ओजपूर्ण,भावपूर्ण एवं समकालीन रचनाओं का काव्य पाठ किया। यह विशेष कार्यक्रम आज शाम 5:00 बजे से 5:30 बजे तक आकाशवाणी सागर के 'युववाणी' कार्यक्रम में प्रसारित होगा। साहित्य प्रेमी एवं श्रोता इस कार्यक्रम को सुनकर युवा कवियों की सृजनशील अभिव्यक्तियों का आनंद ले सकेंगे। कसक फाउंडेशन के संस्थापक सुरजीत सिंह ने इसे संस्था एवं सागर के साहित्यिक जगत के लिए गौरव का विषय बताते हुए कहा कि युवा रचनाकारों को राष्ट्रीय मंचों तक पहुँचाने के लिए संस्था निरंतर प्रयासरत है।

टीएल समीक्षा बैठक: सीएम हेल्पलाइन और जनसुनवाई में ढिलाई न बरतें अधिकारी

बेदखली के आदेश का कड़ाई से पालन करें, सिटीजन चार्टर के तहत समय सीमा में प्रदत्त हों सेवाएं : कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

कलेक्टर प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में आज समय-सीमा पत्रकों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने आयोगों से प्राप्त पत्रों, सीएम मॉनिट के विषय, विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों, जनसुनवाई के आवेदनों और जन-कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन अधिकारियों द्वारा टीएल पत्रों के जवाब समय पर नहीं दिए गए हैं, वे तत्काल प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। इसके साथ ही मानव अधिकार आयोग के पत्रों, अवमानना मामलों और सीएम मॉनिटरिंग के लंबित प्रकरणों का तुरंत निराकरण कर रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए गए। बैठक में पिछले 3 बार की जनसुनवाई के लंबित आवेदनों की स्थिति की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर पाल ने कड़ा रुख अपनाते हुए निर्देश दिए कि, सीएम हेल्पलाइन की नॉट अटेंडेड शिकायतों को गंभीरता से लिया जाए। सिटीजन चार्टर के तहत तय समय-सीमा के भीतर ही हर हाल में आवेदनों का निपटारा सुनिश्चित हो, अन्यथा संबंधितों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। मुख्य सचिव स्तर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में दिए गए निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने को कहा गया है। कृषि और राजस्व मामलों की समीक्षा करते हुए उपसंचालक कृषि को निर्देशित किया गया कि खाद व बीज की गुणवत्ता की लगातार सैंपलिंग की जाए और अवैध भंडारण या अनियमितता पाए जाने पर तत्काल निरीक्षण कर एफआईआर दर्ज कराने की कार्रवाई जारी रखें। इसके अलावा एग्रीस्टैक के कार्य में तेजी लाने के लिए सभी एसडीएम को निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि 1 जुलाई से शुरू हो रही मूँग और उड़द की खरीदी से पहले तहसीलदारों द्वारा शत-प्रतिशत सत्यापन कार्य पूर्ण किया जाए। लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई करते हुए राहतगढ़ जनपद सीईओ को कारण बताओ नोटिस के साथ साथ आगामी आदेश तक वेतन रोकने के निर्देश भी दिए गए हैं। संबल 2.0 योजना के तहत लंबित पंजीयन के कार्यों को गति देने और अनुग्रह सहायता के लंबित मामलों की प्रक्रिया को शीघ्रता से निपटाने के लिए कहा गया। साथ ही जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में स्वीकृत, प्रगतिरत और पूर्ण हो चुके कार्यों की संख्या की समीक्षा की गई।

सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए गए कि नॉट अटेंडेड और 50 दिनों से अधिक समय से लंबित शिकायतों को संतुष्टिपूर्ण ढंग से बंद कराया जाए। विभाग अपनी परफॉर्मेंस ग्रेडिंग सुधारें और अपने विभाग को ए ग्रेड में लाएं। बेदखली के 1 वर्ष और 2 वर्ष पुराने आदेशों का कड़ाई से पालन कराना सुनिश्चित करायें। इसे ड्राइव मोड में चलाने और सीमांकन के विवादों को मौके पर ही निपटाने के निर्देश दिए गए। इस पूरी प्रगति को प्रतिदिन गूगल शीट पर भी अपडेट करना होगा। बैठक में नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री, सिटी मजिस्ट्रेट गगन विसेन सहित समस्त एसडीएम मौजूद थे।

जिला स्तरीय आधार निगरानी समिति की बैठक संपन्न

सागर। नागरिकों को आधार सेवाओं का सुलभ और त्वरित लाभ दिलाने के उद्देश्य से आज कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय आधार निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर की अध्यक्षता में संपन्न हुई इस बैठक में आधार सेवाओं की गुणवत्ता, लंबित प्रकरणों के निपटारे और विभिन्न विभागों के आपसी समन्वय पर विस्तृत चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। बैठक में बच्चों के आधार अपग्रेडेशन को लेकर एक बड़ा निर्णय लिया गया है। जुलाई और अगस्त माह 2026 में जिले के सभी विद्यालयों में अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट के लिए विशेष शिविर लगाए जाएंगे। इसके लिए कलेक्टर द्वारा शिक्षा विभाग को रूपरेखा तैयार करने के कड़े निर्देश दिए गए हैं। बैठक में उपस्थित यूआईडीएआई के राज्य परियोजना प्रबंधक श्री निकेत दीवान ने स्पष्ट किया कि 5 वर्ष और 15 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके बच्चों का बायोमेट्रिक अपडेट कराना अत्यंत अनिवार्य है। समय पर यह अपडेट होने से बच्चों को छात्रवृत्ति सहित अन्य सभी शासकीय व विभागीय योजनाओं का लाभ बिना किसी असुविधा के मिल सकेगा।

मानसून के पहले व्यवस्थाये सुधारने की कवायद में जुटी नगरपालिका

देवरीकलां। मानसून पूर्व नगर के जलभराव क्षेत्रों में अव्यवस्था सुधारने एवं नागरिकों को असुविधा से बचाने के लिए नगरपालिका अमले ने नवागत मुख्य नगरपालिका अधिकारी की अगुवाई में सफाई अभियान आरंभ कर दिया है। नगर के विभिन्न वार्डो में जल भराव संवेदी क्षेत्रों एवं जल निकासी के मुख्य नालों में जेसीबी मशीन से साफ सफाई एवं गहरीकरण कार्य किया गया। देवरी नगरपालिका के नवागत सीएमओ मनोहर बिंझवार ने कार्यभार ग्रहण करने के बाद देवरी नगर में नागरिक सुविधाओं एवं मानसून पूर्व व्यवस्थाओं को चाकचौबंद करने के लिए नगरपालिका अमले के साथ सफाई अभियान आरंभ कर दिया है। देवरी नगर के जलभराव संवेदी तिलक वार्ड, सुभाष वार्ड, महाकाली में ऐसे स्थानों को जहा वर्षा में जलभराव की स्थिति निर्मित होती है। उन्हे चिन्हत कर उक्त स्थानों पर गहरीकरण एवं नालों की साफ सफाई कराई गई। मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने बताया कि उनका पूरा फोकस नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने पर होगा। उन्होने कहा कि नगर में कई स्थानों पर पानी की निकासी के लिए नालों सफाई आवश्यक है।उन्होने कहा कि नगर के सभी वार्डो में वर्षा पूर्व नालों की सफाई, प्रकाश व्यवस्था सहित व्यापारिक केन्द्रों एवं सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ बनाने के लिए अभियान चलाकर कार्य किये जायेंगे। इस अवसर पर उपयंत्री सुनील खेमरिया, स्वच्छता प्रभारी मनु जारौलिया, संतोष सोनी, सहित नगरपालिका अमला उपस्थित था।

नपा अध्यक्ष नेहा पर एफआईआर का विरोध महिलाओं ने दिया मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

देवरी नगरपालिका अध्यक्ष नेहा अलकेश पर महिला पार्षद की शिकायत पर देवरी पुलिस थाने में दर्ज किये गये मामले के विरोध में बड़ी संख्या में महिलाओं ने बिना जांच प्रकरण दर्ज किये जाने का विरोध दर्ज करते हुए एसडीएम को मुख्यमंत्री के नाम सौपकर मामले जांच एवं प्रकरण रद्ध किये की मांग की। ज्ञापन में पूरे मामले को गंदी राजनीति और राजनैतिक द्वेष से प्रेरित बताया गया।

ज्ञापन में कहा गया कि नगर के कुछ पार्षदों एवं क्षेत्रीय विधायक द्वारा राजनैतिक दुर्भावना के चलते देवरी थाने में आधारहीन आपराधिक प्रकरण दर्ज करवाकर नेहा अलकेश जैन का राजनैतिक जीवन समाप्त करने का प्रयास कर रहे है। ज्ञापन में बताया गया कि देवरी थाना पुलिस द्वारा जैन पर दर्ज किये गये प्रकरण में महिला पार्षद द्वारा आरोपित किया गया है कि पीआईसी की बैठकों में पार्षद के हस्ताक्षर अध्यक्ष बनाकर लाभ प्राप्त किया गया है। परंतु थाना पुलिस द्वारा इस संवेदनशील मामले में नगर पालिका अध्यक्ष के हस्ताक्षर नमूना लिये बगैर ही आपराधिक प्रकरण दर्ज किया गया जो पुलिस प्रशासन की पक्षपात पूर्ण मंशा उजागर करता है। ज्ञापन में कहा गया कि प्रदेश एवं केन्द्र की सरकार द्वारा नारी सशक्तिकरण के लिए चलाये जा रहे अभियानों के बाद भी कई ग्रामीण एवं नगरीय निकायों में उनके पति एवं परिजनों का बोलबाला है। जो महिला के स्थान पर उपस्थिति दर्ज करवाते है और उनके हस्ताक्षर करते है। ज्ञापन में बताया गया कि रिर्पोटकर्ता महिला पार्षद द्वारा अन्य पार्षदों के साथ अध्यक्ष के विरूद्ध की गई शिकायतों में जो हस्ताक्षर किये गये है वो पीआईसी की बैठकों के हस्ताक्षर नमूनों से मेल खाते परंतु स्थानीय पुलिस द्वारा प्रकरण पंजीबद्ध करने से पूर्व समस्त तथ्यों को दरकिनार कर मनमाफिक कार्रवाई की गई है।

ज्ञापन में कहा गया कि नेहा अलकेश जैन को पद से हटाने के लिए अनेकों षड़यंत्र किये जा चुके है। जिसमें झूठे आरोप, फर्जी जांच के साथ ही खाली कुर्सी-भरी कुर्सी चुनाव शामिल है। ज्ञापन में मांग की गई कि श्रीमति नेहा अलकेश जैन विरूद्ध राजनैतिक द्वेष के चलते दर्ज कराये गये प्रकरण वापिस लिये जाये। इस मौके पर बड़ी संख्या में महिलाये एसडीएम कार्यालय पहुँची और हाथ में तख्ती लेकर प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री से मामले में जांच एवं कार्रवाई की मांग की।

श्रीमद् भागवत कथा में शामिल होने गढ़ाकोटा पहुंची सागर सांसद वानखेड़े

गढाकोटा। सिद्ध क्षेत्र पटेरिया जगदीश शाला मंदिर प्रांगण में पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव द्वारा आयोजित भागवत कथा के चौथे दिन सागर सांसद लता वानखेड़े शामिल हुई। उन्होंने दिव्य देवीलोक मणिद्वीप एवं नवग्रह पीठ में पहुँचकर माँ राजराजेश्वरी सहित समस्त दिव्य देवियों एवं नवग्रहों के दर्शन कर प्रदेश एवं जनकल्याण की मंगलकामना की। एवं एवं कथा व्यास रत्नेश प्रपन्नाचार्य महाराज के मुखारबिंद से हो रही कथा श्रवण की। कथा सुनने में डॉ.अनिल तिवारी, नपाध्यक्ष संगीता तिवारी,मनोज तिवारी भी मौजूद थे।

शराबबंदी का प्रस्ताव पारित महिलाओं ने एकजुट होकर उठाई आवाज

गढ़ाकोटा। सागर जिले की ग्राम पंचायत परासिया में आयोजित ग्रामसभा की बैठक में सामाजिक सुधार की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। बढ़ती शराबखोरी से परेशान ग्रामीण महिलाओं ने एकजुट होकर न केवल अपनी आवाज बुलंद की, बल्कि पंचायत क्षेत्र में पूर्ण शराबबंदी लागू करने का प्रस्ताव भी सर्वसम्मति से पारित करवा लिया। ग्रामसभा में बड़ी संख्या में महिलाओं और ग्रामीणों ने हिस्सा लिया। बैठक के दौरान महिलाओं ने गांव में पैर पसार रही शराब की लत से उत्पन्न सामाजिक, आर्थिक और पारिवारिक समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। ग्रामीण महिलाओं का कहना था कि शराब के कारण घरों में रोज कलह और घरेलू हिंसा हो रही है। गाढ़ी कमाई का एक बड़ा हिस्सा शराब में बह जाने के कारण परिवारों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है, और सबसे चिंताजनक बात यह है कि गांव के युवाओं का भविष्य भी इससे बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। जिला प्रशासन और पुलिस को भेजी जाएगी रिपोर्ट बैठक में उपस्थित सभी ग्रामीणों ने एक सुर में परासिया पंचायत क्षेत्र को नशामुक्त बनाने की मांग की। ग्रामसभा ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया, जिसके तहत अब इस निर्णय को जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन को भेजा जाएगा। ग्रामीणों ने मांग की है कि प्रशासन ग्रामसभा की भावनाओं का सम्मान करते हुए क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार और बिक्री पर प्रभावी रोक लगाने के लिए तुरंत सख्त कार्रवाई करे।

आईटीआई रहली का कॅरियर मार्गदर्शन का आयोजन

रहली। सांदीपनि विद्यालय रहली में शासकीय आई टी आई रहली के शिक्षक उमेश कुमार कुर्मी द्वारा कैरियर काउंसलिंग के अंतर्गत कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों को आई टी आई में संचालित कोर्सेस के बारे में विस्तृत जानकारी द्वारा दी गई। आई टी आई रहली में 7 कोर्सेस संचालित हैं, जिनमें इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रीशियन, कोपा, स्टेनो, मोटर मैकेनिक, सोलर टेक्नीशियन, और वेल्डर ट्रेड शामिल हैं। रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 30 जून है। व्याख्यान के समय सांदीपनि विद्यालय प्राचार्य दिलीप चौबे, शिक्षक गोविंद सिंह ठाकुर, देवेंद्र कुमार कतरोलिया, अरुण शुक्ला,लाखन सिंह,सपना रजक,विश्वेश्वर सिंह ठाकुर, रवि अहिरवार, सचेंद्र शुक्ला, सतीश प्रजापति उपस्थित रहे।

छात्र-छात्राओं समेत 150 लोगों का सम्मान किया, समिति को दी बधाई

ढाई करोड़ से खुरई में सरदार पटेल की प्रतिमा लगेगी: मंत्री लखन पटेल

हरिभूमि न्यूज ⏭ खुरई

खुरई में कुर्मी क्षत्रिय समाज के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं के लिए एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जो देर शाम 7 बजे तक चला। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे पशुपालन मंत्री लखन पटेल ने किसानों से खेती में नई तकनीकों का इस्तेमाल करने और अपने बच्चों को कृषि शिक्षण संस्थानों में भेजने की अपील की। वहीं, कार्यक्रम में मौजूद पूर्व गृहमंत्री और क्षेत्रीय विधायक भूपेंद्र सिंह ने सरदार वल्लभ भाई पटेल ऑडिटोरियम प्रांगण में सरदार पटेल की प्रतिमा स्थापित करने और कुर्मी समाज के लिए ढाई करोड़ रुपए की लागत से सामुदायिक भवन बनवाने की बड़ी घोषणा की।

रोजगार लेने वाले नहीं, रोजगार देने वाले बनें

पशुपालन मंत्री लखन पटेल ने अपने भाषण में कहा कि किसान परिवारों को पारंपरिक खेती के बजाय नई टेक्नोलॉजी का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने होनहार बच्चों से कृषि विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में एडमिशन लेने की बात कही। मंत्री पटेल ने जोर देकर कहा कि युवाओं को नौकरी मांगने वाला बनने के बजाय नौकरी देने वाला (बिजनेसमैन या उद्यमी) बनना चाहिए। उन्होंने कुर्मी समाज को खेती-किसानी से जुड़ा समाज बताते हुए बच्चों, खासकर बेटियों की उच्च शिक्षा पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत बताई।

उन्होंने सुझाव दिया कि अलग-अलग समाजों के सामुदायिक भवनों के एक हिस्से का इस्तेमाल बेटियों की पढ़ाई के लिए हॉस्टल के रूप में किया जाना चाहिए।

बोले- सरदार पटेल पीएम होते तो भारत नंबर वन होता

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व गृहमंत्री और विधायक भूपेंद्र सिंह ने कहा कि इसी समाज ने देश को सरदार वल्लभभाई पटेल जैसा नेता दिया, जिन्होंने अखंड भारत का निर्माण किया। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर देश के पहले प्रधानमंत्री सरदार पटेल होते, तो भारत आज दुनिया का नंबर वन देश होता। लेकिन कांग्रेस ने बहुमत के बाद भी उन्हें प्रधानमंत्री नहीं बनने दिया और उनकी जगह अंग्रेज परस्त जवाहरलाल नेहरू को पीएम बना दिया। कार्यक्रम में मौजूद सांसद डॉ. लता वानखेड़े ने भी ऑडिटोरियम की घोषणा पर भूपेंद्र सिंह की तारीफ की और आयोजन समिति को बधाई दी।

बॉक्सिंग, कबड्डी के खिलाड़ी किए गए सम्मानित

इस सम्मान समारोह में समाज के करीब 150 प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं और विभिन्न क्षेत्रों में नाम कमाने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। इनमें एमबीबीएस वरुण कुर्मी, इंजीनियर सत्यम कुर्मी, नीट चयनित दीक्षा कुर्मी, राज्य स्तरीय बॉक्सिंग खिलाड़ी जयश्री कुर्मी, पोस्ट ऑफिस में चयनित हर्षिता कुर्मी, कबड्डी की नेशनल खिलाड़ी निधि कुर्मी, राज्य स्तर के वॉलीबॉल चैंपियन प्रथम कुर्मी, बास्केटबॉल मेडलिस्ट अंश कुमार कुर्मी शामिल रहे। इनके अलावा हमीदिया अस्पताल भोपाल के किडनी सर्जन डॉ. नरेंद्र सिंह कुर्मी, मेडिकल अधिकारी डॉ. निशांत सिंह कुर्मी और कथावाचक नारायण कुर्मी को भी मंच से सम्मानित किया गया।

विद्यालय में साइबर सुरक्षा कार्यशाला आयोजित

गढ़ाकोटा। स्थानीय सांदीपनि साबूलाल विद्यालय में विद्यार्थियों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करने एवं डिजिटल सुरक्षा की जानकारी देने के उद्देश्य से साइबर सुरक्षा कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में पुलिस विभाग के अधिकारियों ने विद्यार्थियों को इंटरनेट, सोशल मीडिया एवं ऑनलाइन लेन-देन के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में सहायक उप निरीक्षक विमल कुमार बुनकर ने कहा कि वर्तमान समय में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं और विशेष रूप से युवा वर्ग साइबर ठगों के निशाने पर रहता है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपनी बैंक संबंधी जानकारी, एटीएम कार्ड नंबर, ओटीपी, सीवीवी या पासवर्ड साझा न करें। किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें तथा सोशल मीडिया का उपयोग जिम्मेदारी के साथ करें।उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति के साथ साइबर ठगी की घटना होती है तो वह तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराए अथवा साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत करे, ताकि समय रहते कार्रवाई कर आर्थिक नुकसान को रोका जा सके।

खबर संक्षेप

सपा मुखिया के जन्मदिन पर पौधरोपण की तैयारी

ललितपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का जन्मदिन 1

जुलाई को जनपद भर में सेवा और पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ मनाया जाएगा। सपा जिलाध्यक्ष नेपाल सिंह ने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में वृक्षारोपण करने की अपील की है। कहा कि पार्टी कार्यकर्ता गांव-गांव में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देंगे। इसके साथ ही जिला मुख्यालय स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय पर जन्मदिन के उपलक्ष्य में विभिन्न सामाजिक एवं संगठनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की भागीदारी रहेगी। वहीं जिला मीडिया प्रभारी राममूर्ति तिवारी ने बताया कि पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के जन्मदिन पर पूरे जनपद में वृक्षारोपण अभियान चलाने का निर्णय लिया है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से कार्यक्रमों को सफल बनाने और अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान से जोडऩे की अपील की।

बाड़े में काम करते समय सांप ने डसा, मौत

ललितपुर। जिले के थाना बानपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम डेगना में रविवार सुबह सांप के डसने से एक महिला की मौत हो गई। परिजन उसे उपचार के लिए पहले स्थानीय अस्पताल और बाद में झांसी मेडिकल कॉलेज ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। इसके बाद शव को ललितपुर मेडिकल कॉलेज लाया गया, जहां चिकित्सकों ने पोस्टमार्टम कराने की सलाह दी, लेकिन परिजनों ने इससे इनकार करते हुए शव को घर ले गए। ग्राम डेगना निवासी जानकी पत्नी राम सहाय रविवार सुबह अपने घर के पीछे स्थित बाड़े में काम कर रही थीं। इसी दौरान उन्हें अचानक सांप ने डस लिया। जानकी ने तत्काल इसकी जानकारी परिजनों को दी, जिसके बाद परिजन उन्हें इलाज के लिए तत्काल स्थानीय मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार शुरू किया, लेकिन हालत में कोई सुधार नहीं होने पर उन्हें बेहतर इलाज के लिए झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। परिजन एंबुलेंस से जानकी को झांसी ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। दोपहर करीब 1.20 बजे परिजन शव को लेकर ललितपुर मेडिकल कॉलेज पहुंचे।

हर्ष फायरिंग का वीडियो वायरल, मुकदमा दर्ज

ललितपुर। थाना मड़ावरा क्षेत्र में शादी समारोह के दौरान हर्ष फायरिंग का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक युवक के खिलाफ बीएनएस एवं शस्त्र अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच के साथ-साथ शस्त्र लाइसेंस संबंधी कार्रवाई भी कर रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक समाचार चैनल के पत्रकार द्वारा 38 सेकंड का वीडियो साझा किया गया था, जिसमें एक युवक शादी समारोह के दौरान हाथ में दुनाली बंदूक लेकर हवाई फायरिंग करता दिखाई दे रहा था। वीडियो वायरल होने के बाद थाना मड़ावरा पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि वायरल वीडियो 19 जून 2026 को मड़ावरा थाना क्षेत्र के ग्राम रनगांव में आयोजित एक विवाह समारोह का है। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी की पहचान ग्राम डोंगराखुर्द निवासी लक्ष्मीनारायण पुत्र बंधु कुशवाहा के रूप में की। आरोप है कि उसने समारोह के दौरान सार्वजनिक रूप से एसबीबीएल (दुनाली) बंदूक से हवाई फायर किए। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि जिस बंदूक से फायरिंग की गई, वह आरोपी के भाई सोबरन पुत्र बंधु कुशवाहा के नाम पर लाइसेंसी है। पुलिस के अनुसार किसी अन्य व्यक्ति द्वारा लाइसेंसी शस्त्र का इस प्रकार सार्वजनिक स्थान पर उपयोग करना शस्त्र लाइसेंस की शर्तों का उल्लंघन है और इससे आमजन की सुरक्षा भी खतरे में पड़ती है।

भामाशाह जयंती पर वरिष्ठ व्यापारियों का सम्मान किया गया, व्यापारी कल्याण योजनाओं की मांग

व्यापारी कल्याण दिवस पर भामाशाह के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ ललितपुर

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दानवीर भामाशाह की जन्म जयंती को व्यापारी कल्याण दिवस के रूप में घोषित किए जाने के उपलक्ष्य में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के निर्देश पर रविवार को जिला एवं नगर इकाई द्वारा होटल आनंद रेजिडेंसी में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह में दानवीर भामाशाह को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए जिले के वरिष्ठ व्यापारियों को भामाशाह सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर 80 वर्ष से अधिक आयु के अनेक वरिष्ठ व्यापारियों को दुशाला, स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके व्यापार, समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण में दिए गए योगदान की सराहना की गई।

सम्मानित होने वालों में विजय कुमार जैन दाऊ, अजमेरी खान, कैलाशचंद जैन, जिनेश्वर दास सतभैया, केवलचंद जैन, देवेंद्र सिंघई, जमुना प्रसाद साहू, प्रेमचंद कटारिया, त्रिलोकचंद जैन, जिनेंद्र पंसारी, बंशीधर जैन, प्रेम नारायण साहू, प्रकाशचंद जैन, रामप्रकाश जैन (ममता स्पोर्ट्स), अखिलेश जैन, महेंद्र सराफ, कैलाशचंद जैन, सुरेशचंद, दयाचंद जैन, सीताराम गुप्ता सहित अनेक वरिष्ठ व्यापारी शामिल रहे। प्रदेश चेयरमैन महेंद्र जैन मयूर ने कहा कि दानवीर भामाशाह का जीवन त्याग, समर्पण और राष्ट्रभक्ति का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने कहा कि हल्दीघाटी के युद्ध के बाद जब महाराणा प्रताप कठिन परिस्थितियों से गुजर रहे थे, तब भामाशाह ने अपनी समस्त संपत्ति उन्हें समर्पित कर दी, जिससे महाराणा प्रताप

वर्षों तक मुगलों के विरुद्ध संघर्ष जारी रख सके। उन्होंने कहा कि भामाशाह केवल दानवीर ही नहीं, बल्कि कुशल योद्धा और राष्ट्रनिष्ठ व्यक्तित्व भी थे। महेंद्र जैन मयूर ने कहा कि आज का व्यापारी समाज स्वयं को भामाशाह की परंपरा का उत्तराधिकारी मानते हुए राष्ट्रहित में निरंतर योगदान दे रहा है। चाहे कारगिल युद्ध हो, कोरोना महामारी अथवा प्राकृतिक आपदाएं, व्यापारी समाज ने हर संकट में बढ़-चढ़कर सहयोग किया है। उन्होंने कहा कि देश का व्यापारी जीएसटी एवं आयकर के माध्यम से सरकार के राजस्व में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभा रहा है। व्यापारी कल्याण दिवस के अवसर पर व्यापारियों ने प्रदेश सरकार से व्यापारी स्वास्थ्य बीमा योजना, व्यापारी पेंशन योजना, व्यापारी कल्याण आयोग तथा प्राकृतिक आपदा राहत कोष जैसी योजनाएं लागू करने की मांग भी रखी। संचालन महामंत्री अनिल जैन ने किया। इस दौरान जिलाध्यक्ष प्रदीप त्रिपाठी, नगराध्यक्ष महेश जैन, अनौरा संजीव जैन, नवीन सिंघई, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष लखन अग्रवाल, सतीश जैन, अशोक अनौरा, राजीव पटवारी, मुकेश परवार, राजेंद्र, पंकज जैन, अभय जैन एड., संजय खन्ना, महेश सतभैया, अंकित सतभैया, उदयभान सिंह यादव, आनंद जैन, जयनारायण शर्मा, राजीव सुडेले, अविरल जैन, राहुल मोदी, विनोद जैन, ऋषभ जैन, सूरज जैन, इमरान खान, रिक्की जैन, अशोक जैन, जयंत जैन सहित बड़ी संख्या में व्यापारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

भामाशाह जयंती पर आज व्यापारी कल्याण दिवस मनेगा

ललितपुर। दानवीर भामाशाह की जयंती के अवसर पर 29 जून को जिले में व्यापारी कल्याण दिवस का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम 29 जून 2026 को अपराह्न 4 बजे विकास भवन स्थित सभागार में आयोजित होगा। कार्यक्रम में जिले के सभी व्यापारियों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए उपायुक्त राज्य कर ने अपील जारी की है। उपायुक्त राज्य कर ललितपुर हीरालाल जायसवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दानवीर भामाशाह की जयंती को व्यापारी कल्याण दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। इसी क्रम में ललितपुर में भी कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने जनपद के सभी व्यापारी बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में उपस्थित होकर इसे सफल बनाने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि व्यापारियों की उपस्थिति कार्यक्रम की सफलता एवं सार्थकता में महत्वपूर्ण योगदान देगी। उपायुक्त राज्य कर ने आशा व्यक्त की है कि व्यापारियों, व्यापारिक संगठनों एवं मीडिया के सहयोग से व्यापारी कल्याण दिवस का आयोजन सफल एवं प्रभावी रूप से संपन्न होगा।

गंदगी से संक्रामक बीमारियों का खतरा

सुम्मेरा तालाब की चोई को साफ कर सौंदर्यीकरण कराया जाए: कपूर

हरिभूमि न्यूज ⏭ ललितपुर

स्थानीय कम्पनी बाग में बुन्देलखण्ड विकास सेना प्रमुख हरीश कपूर टीटू की अध्यक्षता में एक बैठक आहूत की गई। बैठक में ललितपुर नगर के मध्य स्थित ऐतिहासिक सुम्मेरा तालाब की सफाई, गोविन्द सागर बांध से साफ पानी तालाब में डाले जाने तथा घाटों के सौंदर्यीकरण की मांग की गई।

बुंदेलखंड विकास सेना के प्रमुख हरीश कपूर टीटू ने कहा ने कहा कि सुम्मेरा तालाब शहर के मध्य स्थित है और कभी इसका बहुत ही ऐतिहासिक महत्व रहा है। इसके बारे में किंवदंती है कि इसके पानी में स्नान करने से लोगों के चर्मरोग दूर हो जाते थे परन्तु आज विडम्बना यह है कि इसका पानी यदि शरीर पर लग जाये तो उसे चर्मरोग हुए बगैर नहीं होगा। उन्होंने कहा कि यहाँ से गुजरने पर तीक्ष्ण बदबू सहसा दिल को झकझोर देती है। इसके अलावा हर साल सुम्मेरा तालाब में चोई जम जाती है जिसके कारण बदबू और संक्रामक बीमारी फैलने का खतरा बढ़ जाता है। बुंदेलखंड विकास सेना प्रमुख टीटू कपूर ने कहा कि जिला प्रशासन एक ऐसा एक्शन प्लान तैयार कराये कि जिसमें सुम्मेरा तालाब को सीधा पाइपलाइन के द्वारा गोविन्द सागर बांध से जोड़ कर समय समय पर गन्दा पानी हटाकर साफ पानी छोड़ा जाये ।तालाब के आसपास का सौन्दर्यकरण करते हुए छायादार पेड़ लगाकर घाटों को आकर्षक बनाया जाये तथा उचित प्रकाश व्यवस्था की जाय । इसके साथ ही बंद पड़े वोट क्लब को शीघ्र ही चालू किया जाये। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि सुम्मेरा तालाब की दुर्दशा पर जिला प्रशासन शीघ्र अतिशीघ्र संज्ञान लेकर निवारण करे अन्यथा की स्थिति में बु. वि. सेना उग्र आन्दोलन छेड़ने को बाध्य हो जायेगी । बैठक में बुंदेलखंड विकास सेना के वरिष्ठ सदस्य कदीर खां, मथुरा प्रसाद मिश्रा, ओमकार राजा, मुन्ना त्यागी, खुशाल बरार,भैयन कुशवाहा, कामता प्रसाद भट्ट, देवेन्द्र राजा, आशीष, रामसहाय राठौर, लालचंद्र रजक, सुरेश झा, बलराम चौहान,सूरज जोशी,छोटे कुशवाहा, आशाराम नगेले, प्रमोद धानुक, अमित जैन, कमल विश्वकर्मा आदि उपस्थित रहे ।

लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से मारपीट का आरोप

मायके आई विवाहिता, पति व सास पर हमला पिता समेत आठ पर मुकदमा दर्ज किया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ ललितपुर

थाना मड़ावरा क्षेत्र में पारिवारिक विवाद के चलते एक विवाहिता, उसके पति और सास के साथ सरेबाजार मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि मायके आई महिला को उसके पिता, तीन भाइयों, भाभियों और एक अन्य व्यक्ति ने घेरकर लाठी-डंडों, लात-घूंसों एवं लोहे की रॉड से हमला कर दिया। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर आठ नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मध्य प्रदेश के जिला टीकमगढ़ थाना बड़ागांव अंतर्गत ग्राम ककरवाहा निवासी दीक्षा सोनी पत्नी आकाश सोनी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 27 जून 2026 को दोपहर करीब 1.30 बजे अपने पति आकाश सोनी और सास के साथ मड़ावरा स्थित अपने मायके आई थीं। जब वे कस्बे में स्थित अर्हन फैशन गारमेंट्स के पास पहुंचे, तभी वहां पहले से मौजूद उनके पिता कन्हैयालाल सोनी, भाई संजय सोनी, राहुल सोनी और गौरव सोनी, भाभियां आशा, वर्षा और प्रिन्सी, तथा रनगांव निवासी कल्लू पुत्र चूड़ी लोधी ने उन्हें घेर लिया। आरोप है कि सभी ने पहले गाली-गलौज की और विरोध करने पर विवाहिता, उसके पति तथा सास के साथ लाठी-डंडों, लात-घूंसों और लोहे की रॉड से मारपीट कर दी। बीच बाजार हुई इस घटना से अफरा-तफरी मच गई। पीड़िता का आरोप है कि मारपीट के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। आरोपियों के विरुद्ध पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत किया गया है।

चार लोगों पर जबरन बुआई और मारपीट का आरोप लगाया

खेत पर कब्जा करने का विरोध किया तो महिला को दबंगों ने लाठी-डंडों से पीटा

हरिभूमि न्यूज ⏭ ललितपुर

सदर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कल्यानपुरा में खेत पर कथित कब्जे का विरोध करना एक दलित महिला को महंगा पड़ गया। महिला का आरोप है कि गांव के चार लोगों ने उसके खेत में जबरन बुआई शुरू कर दी और विरोध करने पर गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों व लात-घूंसों से मारपीट कर घायल कर दिया। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम कल्यानपुरा निवासी रामवती पत्नी जगदीश अहिरवार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 26 जून 2026 को सुबह करीब 10 बजे गांव के नन्नू, ध्यानी, लाडो तथा ध्यानी की पत्नी उसके खेत में जबरन बुआई कर रहे थे। जब उसने इसका विरोध किया तो सभी आरोपी भड़क गए और अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। पीड़िता का आरोप है कि आरोपियों ने लाठी-डंडों और लात-घूंसों से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। शोर-शराबा सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीण जगदीश, राहुल और पम्पू कुम्हार ने बीच-बचाव कर उसे आरोपियों के चंगुल से छुड़ाया। आरोप है कि जाते समय आरोपियों ने पुलिस में शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद पीड़िता ने कोतवाली पुलिस से शिकायत की, जिस पर पुलिस ने उसका चिकित्सीय परीक्षण कराया। आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है।

पुलिस ने वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ ललितपुर

पुलिस अधीक्षक मो. मुश्ताक के निर्देशन में जनपदभर में वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना पूराकलां पुलिस ने एक वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह एवं क्षेत्राधिकारी तालबेहट आशीष मिश्र के पर्यवेक्षण में थाना पूराकलां पुलिस ने कार्रवाई करते हुए वारंटी अभियुक्त ग्राम हिंगौरा निवासी रामकिशोर यादव पुत्र संतोष यादव को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद अभियुक्त को आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए संबंधित न्यायालय में पेश किया गया।

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले में वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों की धरपकड़ के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस टीमें सक्रिय रूप से कार्रवाई कर रही हैं। गिरफ्तारी करने वाली टीम में थाना पूराकलां के प्रभारी निरीक्षक अजमेर सिंह भदौरिया अपनी पुलिस टीम के साथ शामिल रहे।

वारंटी अभियुक्त को जखौरा पुलिस ने गिरफ्तार किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ ललितपुर

पुलिस अधीक्षक मो. मुश्ताक के निर्देशन में वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना जखौरा पुलिस ने एक वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। पुलिस के अनुसार एएसपी कालू सिंह एवं क्षेत्राधिकारी सदर सुनील कुमार के पर्यवेक्षण में थाना जखौरा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए थाना जखौरा के ग्राम चकलालौन निवासी नातीराजा पुत्र नोनेराजा को न्यायालय से जारी वारंट के अनुपालन में गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद अभियुक्त को नियमानुसार अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (त्वरित न्यायालय) के समक्ष पेश किया गया। यह गिरफ्तारी 28 जून 2026 को की गई। कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार बैस के नेतृत्व में थाना जखौरा पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। जनपद पुलिस ने बताया कि वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान लगातार जारी है और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसी कार्रवाई आगे भी निरंतर की जाएगी।

युवक बाइक से ससुराल से घर लौट रहा था

तेज रफ्तार लोडिंग टैक्सी की टक्कर से युवक की मौत, इलाज के दौरान दम तोड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ ललितपुर

थाना पूराकलां क्षेत्र में तेज रफ्तार लोडिंग टैक्सी की टक्कर से बाइक सवार 19 वर्षीय युवक की मौत हो गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक ने झांसी मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने मृतक के पिता की तहरीर पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम हंसारकलां निवासी रघुराज सिंह ठाकुर ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनका पुत्र राजक्षत्रिय 24 जून 2026 को ग्राम सारसैड स्थित अपनी बहन के घर गया था। शाम करीब छह बजे वह अपनी मोटरसाइकिल से वापस घर लौट रहा था। आरोप है कि पूराकलां-सारसैड मार्ग पर लक्ष्मी गुप्ता के खेत के पास सामने से आ रही एक तेज रफ्तार लोडिंग टैक्सी (वाहन संख्या यूपी-94 एटी-0955) के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और युवक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तालबेहट ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया, जहां उपचार के दौरान 25 जून को उसकी मौत हो गई। युवक की असमय मौत से परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। पिता की तहरीर पर थाना पूराकलां पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

पूराकलां सारसैड मार्ग पर लोडिंग टैक्सी के ने टक्कर मार दी

लाठी-डंडे व कुल्हाड़ी लेकर पहुंचे आरोपी

तहसीलदार के आदेश के बाद भी दबंगों ने रुकवाया मकान निर्माण

हरिभूमि न्यूज ⏭ ललितपुर

तहसील प्रशासन द्वारा निर्माण कार्य की अनुमति दिए जाने के बावजूद ग्राम पठाविजयपुरा में एक युवक का मकान निर्माण दबंगों द्वारा रुकवाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि हथियारों से लैस होकर पहुंचे आरोपियों ने निर्माण कार्य बंद करा दिया और विरोध करने पर युवक को जान से मारने तथा झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर छह नामजद और आठ अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार ग्राम पठाविजयपुरा निवासी अवनीश पुत्र ब्रजबिहारी बिदुआ ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसके प्लॉट को लेकर पूर्व में विवाद चल रहा था। इस संबंध में समाधान दिवस में पैमाइश कराई गई थी। राजस्व विभाग ने नक्शा और खतौनी के आधार पर भूमि को उसके स्वामित्व की बताते हुए विवाद का निस्तारण किया था। इसके बाद नायब तहसीलदार ने उसे निर्माण कार्य कराने की अनुमति भी प्रदान कर दी थी। आरोप है कि 27 जून 2026 की सुबह करीब 9.30 बजे वह अपने प्लॉट पर मकान निर्माण करा रहा था, तभी गांव के मुश्ताक खान, अरबाज खान, साजिद, पवन दीक्षित, गौरव और आयुष करीब आठ अज्ञात लोगों के साथ वहां पहुंच गए। सभी के हाथों में लाठी-डंडे और कुल्हाड़ी जैसे हथियार थे। आरोपियों ने निर्माण कार्य जबरन रुकवा दिया और प्लॉट को अपना बताते हुए दोबारा काम शुरू करने पर जान से मारने की धमकी दी। आरोपी पवन दीक्षित ने धमकी दी कि यदि निर्माण कार्य नहीं रोका गया तो वह अपने परिवार के किसी सदस्य से आत्महत्या कराकर उसका झूठा आरोप अवनीश और उसके परिवार पर लगाकर सभी को जेल भिजवा देगा।

काउंसलिंग के बाद फिर साथ रहने के लिए राजी हो गए

पुलिस की पहल रंग लाई, प्रोजेक्ट नई किरण से दो बिखरते परिवार जुड़े

हरिभूमि न्यूज ⏭ ललितपुर

उत्तर प्रदेश पुलिस की महत्वाकांक्षी पहल प्रोजेक्ट नई किरण के तहत ललितपुर पुलिस ने रविवार को दो टूटते परिवारों का सफलतापूर्वक पुनर्मिलन कराया। रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित काउंसलिंग सत्र के दौरान विशेषज्ञों और पुलिस अधिकारियों की समझाइश के बाद दोनों परिवारों ने अपने मतभेद भुलाकर दोबारा साथ रहने का निर्णय लिया। पुलिस अधीक्षक मो. मुश्ताक के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम में पारिवारिक एवं वैवाहिक विवादों से जुड़े मामलों की सुनवाई की गई। काउंसलिंग टीम ने

पति-पत्नी के बीच उत्पन्न विवादों को धैर्यपूर्वक सुना और सकारात्मक संवाद के माध्यम से रिश्तों में आई दूरियों को समाप्त करने का प्रयास किया। काउंसलिंग के सकारात्मक परिणाम सामने आए और दो परिवार आपसी सहमति से साथ रहने के लिए तैयार हो गए। पुनर्मिलन की खुशी में दोनों परिवारों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर रिश्तों में लौटी मिठास और विश्वास का संदेश दिया। वहीं, दो अन्य मामलों में विस्तृत सुनवाई के लिए अगली तिथि निर्धारित की गई। प्रोजेक्ट नई किरण का उद्देश्य पारिवारिक एवं वैवाहिक विवादों का सौहार्दपूर्ण समाधान कर टूटते परिवारों को जोडऩा, आपसी विश्वास एवं सामंजस्य स्थापित करना तथा परिवारों के जीवन में नई आशा, खुशहाली और सकारात्मकता का संचार करना है। इस दौरान एएसपी कालू सिंह सहित, अजय बरया, डा.एस.पी. पाठक, सुधा कुशवाहा, डा.जनक किशोरी शर्मा, डा.दीपक चौबे, संजीव शर्मा, सुभाष जैन, एड.अरमान कुरैशी, महिला आरक्षी सिमरन एवं महिला आरक्षी रूपाली यादव ने सक्रिय भूमिका निभाई।

क्वारी नदी पर पर्यटक संभावना विकसित करने की तैयारी

आशंका: बंजारा डैम जैसा न हो जाए इकलौद के पर्यटक स्थल का हाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड विजयपुर के ग्राम इकलौद स्थित क्वारी नदी के तटो को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने की तैयारी में हैं। सूत्रों की मानें तो इकलौद के इस दार्शनिक टट को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने के लिए टूरिज्म विभाग ने सहमति भी दे दी हैं और कुछ ही दिनों में इसके लिए राशि भी जारी कर दी जाएगी और इससे इस क्षेत्र में पर्यटक स्थल की कमी भी दूर हो जायगी लेकिन लोगों को अंदेशा यह भी है कि कहीं इस सौगात का हश्र जिला मुख्यालय के सीप नदी स्थित बंजारा डैम की तरह ना हो जाए जहां मध्य प्रदेश टूरिज्म विभाग ने करीब 1 करोड़ रुपए खर्च कर रेस्टोरेंट, विश्राम ग्रह निर्माण कराकर 6 पेडल बोट भी उपलब्ध कराई थी, लेकिन नगरपालिका प्रशासन की लापरवाही से यह सारी सौगात कबाड़ा बन चुकी है।

जिला प्रशासन द्वारा प्राकृतिक स्थलों को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से की जा रही तलाश के क्रम में अफसरों की पारखी नजर इकलौद स्थित क्वारी नदी के स्वच्छ, गहरे और बारहमासी जल पर टिक गई हैं।

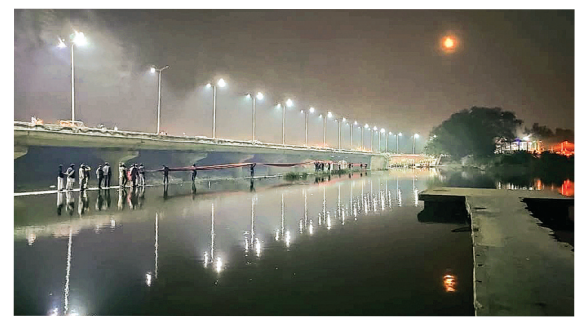

एडीएम के नेतृत्व में पहले हो चुका है परीक्षण

जून के प्रथम सप्ताह में भी अपर कलेक्टर एवं जिला पर्यटन नोडल अधिकारी रूपेश उपाध्याय, पर्यटन बोर्ड के संयुक्त संचालक संतोष श्रीवास्तव, सहायक संचालक ए.के. सिंह एवं वाटर स्पोर्ट्स विशेषज्ञ कमांडर राजेन्द्र निगम ने इकलौद पहुंचकर स्थल का निरीक्षण किया था। उसी निरीक्षण के आधार पर अब तकनीकी सर्वे कर आगे की कार्ययोजना तैयार की जा रही है। निरीक्षण में सर्वेयर इस बात से संतुष्ट नजर आए कि इस क्षेत्र में क्वारी नदी में लगभग तीन से चार किलोमीटर तक 15 से 20 फीट गहरा, स्वच्छ और बारहमासी जल उपलब्ध रहता है। नदी के दोनों किनारों पर फैली घनी हरियाली, प्राकृतिक शांति और विभिन्न प्रजातियों के पक्षियों की मौजूदगी इस स्थान को वाटर स्पोर्ट्स, बोटिंग, बर्ड वॉचिंग और इको-टूरिज्म के लिए बेहद उपयुक्त बनाती है। अधिकारियों ने नदी किनारे बने विभिन्न सामाजिक घाटों का भी निरीक्षण किया और ग्रामीणों से क्षेत्र की भौगोलिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक विशेषताओं की जानकारी ली। साथ ही श्री गोपालदास बाबा समाधि दार्शनिक स्थल के आसपास पर्यटन गतिविधियों के विकास की मंथन किया गया।

प्रशासन के प्रयास से हरियाली से आच्छादित तटों तथा पक्षियों की चहचहाहट से गुलजार इस क्षेत्र को वाटर स्पोर्ट्स, बर्ड वॉचिंग और ग्रामीण पर्यटन के लिए विकसित करने मध्यप्रदेश टूरिज्म ने पहल शुरू दी हैं। भोपाल से पहुंची चार सदस्यीय तकनीकी टीम ने चयनित स्थल का मापन एवं विस्तृत भौतिक निरीक्षण भी कर लिया हैं। जो इस क्षेत्र में पर्यटन विकास की संभावनाओं को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हो सकती है लेकिन इस सौगात का हश्र बंजारा डेम जैसा न हो इसकी तैयारी भी अभी से करनी पड़ेगी।

बुरा हश्र हुआ नरेंद्र सिंह तोमर की सौगात का

जिला मुख्यालय पर पर्यटक स्थलों की कमी को दूर करने के उद्देश्य से सांसद रहते हुए विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने बंजारा डैम को चंबल सर्किल में शामिल करवा कर उसे पर्यटक स्थल के रूप में विकसित कराया था। मध्य प्रदेश पर्यटन टूरिज्म बोर्ड के माध्यम से यहां विश्राम ग्रह और रेस्टोरेंट निर्माण किया गया और बाद में 6 पेडल बोट भी उपलब्ध कराई गई जो नगर पालिका परिषद के सहयोग से संचालित की गई नगर पालिका ने कुछ साल तो उक्त पर्यटक स्थल को ठेका पर चलाया लेकिन बाद में ठेकेदार द्वारा राशि जमा नहीं करने और कोर्ट में मामला जाने से पर्यटक स्थल वीरान हो गया। आज रेस्टोरेंट और विश्राम गृह में पर्यटक नहीं नशेड़ी जाते हैं जगह-जगह नशे के इंजेक्शन खाली सिरिंज दिखाई पड़ रही है जो पेडल बोट खरीदी गई थी वह कबाड़ बन चुकी है।

इस बारे में जानकारी लेंगे

क्वारी नदी पर मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड ने इकलौद के पास पर्यटक स्थल विकसित करने की इच्छा जताई है। यह पर्यटक स्थल इस तरह विकसित किया जाएगा कि चीतों को देखने आने वाले पर्यटक भी यहां जरूर आएं और बोटिंग आदि का आनंद ले सकें। बंजारा डैम पर जो पर्यटक स्थल विकसित किया था, उसका संचालन नगर पालिका परिषद करती है वो क्यों नहीं कर रही इस बारे में भी जानकारी लेंगे।

रुपेश उपाध्याय
एडीएम एवं जिला पर्यटन नोडल अधिकारी श्योपुर

पॉलीथिन के कारण गंभीर होती जा रही समस्या

हर दूसरे तीसरे दिन ओवर फ्लो हो रहे नाले, लोगों के साथ नपा भी परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

नगर पालिका परिषद नालों की कितनी भी सफाई कर ले लेकिन शहर के नालें हैं कि ओवरफ्लो होकर सड़कों पर बहते ही रहते हैं। ऐसा भी नहीं है कि नगर पालिका कोई प्रयास में कोई कमी रख रही हो हर दूसरे तीसरे दिन नगर पालिका के कर्मचारी इन नालों को साफ करते देखे जाते हैं लेकिन नाले हैं कि ओवरफ्लो होते रुक नहीं रहे हैं।

वैसे तो शहर के अधिकतर नाले आए दिन ओवरफ्लो होकर सड़कों पर बहते रहते हैं लेकिन सबसे अधिक परेशानी टोड़ी गणेश बाजार में आती है जहां हर दूसरे तीसरे दिन नाले ओवर फ्लो होकर सड़क पर बहता रहता हैं। ऐसा भी नहीं है कि नालों की सफाई नहीं होती हो इस बाजार में कई बार नालो की ताला झाड़ सफाई हो चुकी है और सफाई कर्मी अपने हाथों से नालों में फंसा कचरा निकाल कर साफ करते रहते हैं लेकिन नालों का ओवरफ्लो होकर बहना नहीं रुक रहा है। इसका कारण पुराने समय में बने इन नालों की चौड़ाई कम होना बताई जा रही है चौड़ाई कम होने के कारण कचरा फस जाता है जिससे पानी ओवर फ्लो होकर सड़क पर बहने लगता है। लोगों का कहना है कि जब नाले बने थे तब नालियों में सिर्फ पानी ही बहकर आता था लेकिन अब नालियों के माध्यम से नालों में पॉलीथिन और दूसरा कचरा भी आकर पानी में रुकावट पैदा कर रहा हैं जिससे इस तरह की समस्या हो रहे हैं। यही हाल चूड़ी मार्केट और सब्जी मंडी का है जहां नालों में आए दिन चौक होने की शिकायत मिलती रहती है जिसके कारण नगर पालिका को यहां नाला सफाई के लिए तत्काल विशेष अभियान चलना पड़ता है। यह समस्या लापरवाही के कारण भी है हम लोग जो पॉलीथिन और दूसरा कचरा सड़कों पर फेंक देते हैं उससे नाले चौक हो रहे हैं अगर लोग कचरा सड़कों पर फेंकने के बजाय कचरा गाड़ी में डाले तो इस तरीके की समस्या में कमी आ सकती है।

जिला स्तरीय समापन एवं सम्मान समारोह आज, चौंडपुर बावड़ी पर होगा कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

प्रदेश में गत 19 मार्च से संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के 30 जून को समापन अवसर पर जिला स्तरीय समापन एवं सम्मान समारोह का आयोजन 30 जून को ग्राम पंचायत मठेपुरा अंतर्गत ग्राम चौंडपुर स्थित बावडी पर किया जायेगा। कलेक्टर शीला दाहिमा के मार्गदर्शन तथा सीईओ जिला पंचायत सौम्या आनंद के निर्देशन में उक्त कार्यक्रम चौंडपुर बावडी पर प्रातः 10 बजे से आयोजित होगा। राज्य शासन द्वारा उक्त कार्यक्रम के लिए क्षेत्रीय सांसद शिवमंगल सिंह तोमर को मुख्य अतिथि के रूप में नामित किया गया है।

सांसद शिवमंगल सिंह तोमर के मुख्य आतिथ्य में आयोजित उक्त कार्यक्रम के दौरान जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जिले में जल संरक्षण से संबंधित किये गये कार्यों एवं उपलब्धियों का प्रस्तुतीकरण किया जायेगा। इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के संदेश का वाचन भी होगा। परियोजना अधिकारी विक्रम जाट ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान 1 जुलाई 2026 से प्रारंभ होने वाले विकसित भारत ग्रामीण रोजगार एवं आजीविका मिशन वीबी जीराम जी की प्रमुख विशेषताओं एवं जनहितकारी प्रावधानों की जानकारी भी प्रदान की जायेगी।

नहीं रहे जिले की राजनीति के 'पितामह' मूलचंद रावत

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

श्योपुर जिले की राजनीति के भीष्म पितामह माने जाने वाले मूलचंद रावत का बीती रात निधन हो गया। 80 वर्षीय मूलचंद रावत विगत कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। उनके निधन से समूचे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

सरपंच से लेकर विधायक तक का चुनाव लड़ चुके स्व मूलचंद रावत ने डायरेक्ट और इनडायरेक्ट रूप से सरपंच से लेकर जिला पंचायत अध्यक्ष जैसे पंचायती राज के सबसे बड़े जनप्रतिनिधि पदों पर कब्जा जमाया। रीना आशीष मीणा के रूप में उनकी छोटी बहु वर्तमान में श्योपुर जनपद पंचायत की अध्यक्ष हैं। उनकी बड़ी बहु कविता मीणा श्योपुर जिला पंचायत अध्यक्ष रह चुकी हैं। मीणा समाज के अध्यक्ष और कई सामाजिक संगठनों में

मजबूत भागीदारी निभाने वाले स्व मूलचंद मीणा समाज के सबसे कद्दावर नेता माने जाते थे। वे कुछ समय से बीमार चल रहे थे बीती रात को उन्होंने अंतिम सांस ली। सोमवार की सुबह 9:00 बजे के करीब उनके फार्म हाउस मंडी लिंक रोड पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर उन्हें नम आँखों से श्रद्धांजलि दी।

पुष्कल प्रताप सिंह का तबादला, पटेल होंगे श्योपुर के प्रभारी पीडब्ल्यूडी ईई

श्योपुर पहुंचे सिंहल संभाला श्योपुर एसडीओ का प्रभार

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

लोक निर्माण विभाग श्योपुर के कार्यपालन यंत्री पुष्कल प्रताप सिंह का शिवपुरी जिले में तबादला हो गया है। इसलिए उन्होंने श्योपुर से रिलीव होने के बाद शिवपुरी पहुंचकर वहां लोक निर्माण विभाग कार्यपालन यंत्री का पदभार ग्रहण कर लिया है। उनके जाने के बाद श्योपुर में शासन की ओर से किसी दूसरे कार्यपालन यंत्री की पदस्थापना नहीं की गई है। लेकिन पीआईयू श्योपुर के कार्यपालन यंत्री अनिल पटेल को श्योपुर के लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री का अतिरिक्त प्रभार सौंपे जाने के निर्देश जारी कर दिए है। इसलिए अब अनिल पटेल श्योपुर के प्रभारी पीडब्लयूडी ईई होगे। वे अब एक साथ दोनों विभागों को देखेगे। उधर लोक निर्माण विभाग श्योपुर के नए एसडीओ रिषभ सिंहल ने श्योपुर पहुंचकर विधिवत रूप से एसडीओ का पदभार ग्रहण कर लिया है।

चार आरोपियों को एक वर्ष का कारावास

श्योपुर। विजयपुर के प्रथम श्रेणी न्यायालय ने मारपीट के तीन साल पुराने एक मामले में फैसला सुनाते हुए चार आरोपियों को एक एक वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुना दी। वहीं 1500 रूपए का अर्थदंड भी रोपित किया गया है। एडीपीओ पूजा गुप्ता ने बताया कि तीन साल पहले यह विवाद अगरा थाना क्षेत्र में उस समय घटित हुआ,जब हरिसिंह तथा उसका लडका सुरेन्द्र गुर्जर सरसों का हिसाब करके अपने गांव सिमलिया जा रहे थे, तभी अरोंद बस स्टैंड के पास केपी गुर्जर, धर्मेन्द्र गुर्जर, हरिविलास गुर्जर, जगपाल गुर्जर ने गाली गलौच करने के बाद हरिसिंह और सुरेन्द्र की लाठी फरसे से मारपीट कर दी। जिससे यह दोनों पिता पुत्र जख्मी हो गए। इन चारों आरोपियों के खिलाफ अगरा थाना पुलिस ने मारपीट का मामला दर्ज कर चालान विजयपुर न्यायालय में पेश किया।विचारण के बाद न्यायालय ने चोरों आरोपियों को एक एक वर्ष की सजा सुना दी है।

मोबाइल पर बातचीत को लेकर विवाद,लाठी मार फोड़ा सिर

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

आवदा थाना क्षेत्र के ग्राम मसावनी में बीती रात को मोबाइल पर बातचीत को लेकर विवाद हो गया। इस विवाद में नामजद आरोपी ने फरियादी युवक का लाठी मारकर सिर फोड दिया। पुलिस ने मारपीट का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि ग्राम मसावनी निवासी रमेश आदिवासी रविवार की रात किसी परिचित से मोबाइल पर बातचीत कर रहा था, बातचीत के दौरान सामने वाले व्यक्ति से उसकी

कहासुना हो गई तो उसन माबाइल पर गाली गलौच कर दी। इसी दौरान पास ही मौजूद बव्वल आदिवासी को ऐसा लगा है कि रमेश उसे देखकर गाली गलौच कर रहा है। इसी बात को लेकर बव्वल आदिवासी ने लाठी मारकर रमेश का सिर फोड दिया।

जनजातीय छात्रावासों के विद्यार्थियों की शिष्यवृत्ति बढ़ी

श्योपुर। मध्यप्रदेश शासन के जनजातीय कार्य विभाग ने वर्ष 2026-27 में छात्रावास एवं आश्रमों में निवासरत विद्यार्थियों की शिष्यवृत्ति की दरों में वृद्धि करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में विभाग द्वारा आदेश जारी कर दिया गया है। जारी आदेश के अनुसार, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर वर्ष 2026-27 के लिए शिष्यवृत्ति की नई दरें निर्धारित की गई हैं। अब छात्रावास एवं आश्रमों में रहने वाले बालक विद्यार्थियों को 1,720 रुपये प्रतिमाह तथा बालिका विद्यार्थियों को 1,770 रुपये प्रतिमाह शिष्यवृत्ति प्रदान की जाएगी

श्योपुर से गणेशजी की तो रघुनाथपुर से रवाना हुई मदन मोहन जी की पैदल यात्रा

सुण सुण म्हारी गौरी, सुण सुण नखराडी गजानंद बाबा के चाला री पैदल यात्रा...

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

राजस्थान के सवाईमाधोपुर जिले के रणथंभोर किले में विराजित श्री त्रिनेत्र गणेश जी महाराज के दर्शनों के लिए एक पैदल यात्रा सोमवार को श्योपुर जिला मुख्यालय से रवाना हुई। जिसमें शामिल हुए पैदल यात्री गजानंद महाराज के भजनों पर नाचते और झूमते हुए रवाना हुए। इस पैदल यात्रा की शुरूआत शहर के टोडी गणेश मंदिर से विधिवत पूजा अर्चना और ध्वज पूजन के साथ रवाना हुई। यह पैदल यात्रा बुधवार को गणेश जी महाराज के दरबार में पहुंचकर झंडा चढाने के साथ सम्पन्न होगी। उधर रघुनाथपुर कस्बे से सोमवार को करौली जिले में विराजिम श्री मदन मोहन जी महाराज के दर्शनों के लिए भी जयकारों के साथ एक पैदल यात्रा रवाना हुई।

दरअसल हिंदूवादी संगठन शक्तिदल की अगुवाई में हर साल एक पैदल यात्रा श्योपुर से श्री गणेश जी महाराज के दर्शनों के लिए जाती है। इस साल शक्तिदल की अगुवाई में यह 17 वीं पैदल यात्रा थी। इस पैदल यात्रा में शामिल होने वाले सभी पैदल यात्री और पैदल यात्रा समिति पदाधिकारी व शक्तिदल से

शेरपुर चौराहे पर रहेगा यात्रा का दूसरा विश्राम

शक्तिदल संस्थापक श्याम सिंह मीणा ने बताया कि दांतरदा में रात्रि विश्राम करने के बाद मंगलवार 30 जून को दांतरदा से रवाना होने वाली इस पैदल यात्रा का दूसरा रात्रि विश्राम शेरपुर चौराहे पर रहेगा।सभी पैदल यात्री शेरपुर चौराहे पर रात्रि विश्राम करने के बाद बुधवार की सुबह भगवान गणपति के दरबार में पहुंचेगे। जहां झंडा चढाकर इस पैदल यात्रा का समापन किया जाएगा और भगवान गणपति से क्षेत्र की खुशहाली के लिए कामना की जाएगी।

जुड लाग सामवार का सुबह शहर के टोडी गणेश मंदिर पर एकत्रित हो गए। जहां भगवान टोडी गणेश जी महाराज की विधिवत पूजा अर्चना और फिर ध्वज पूजन किए जाने के साथ पैदल यात्रा रवाना की गई। इस मौके पर ढ़ेंगदा वाले महाराज जी, गणेश यात्रा समिति के अध्यक्ष रामगोपाल रुडी वाले, संघ के जिला प्रचारक आभजात ामश्रा,यात्रा संयोजक मांगीलाल सुमन, शक्तिदल के संस्थापक श्याम सिंह मीणा, प्रमुख भूपेंद्र गौड़, पूर्व प्रमुख प्रीतम मीणा, रामकरण मीणा, जिला सह प्रमुख प्रदीप वर्मा, जुगल जांगिड़ सहित अन्य कई गणमान्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। सभी अतिथियों का पैदल यात्रा समिति ने साफा बाधकर स्वागत ाकया। इसक बाद जयकारो के साथ भगवान गणपति की पैदल यात्रा को रवाना किया गया। भजनो के साथ रवाना हुई यह पैदल यात्रा शहर के मुख्य बाजार, गुलंबर, पुराना बस स्टैंड होते हुए सलापुरा पहुंची। रास्ते में पैदल यात्रियों का कई जगह स्वागत किया गया। वहीं सलापुरा तक शहर के लोग बडी संख्या में पदल याात्रया का ादा करन क लिए पहुंचे। इसके बाद पैदल यात्रा में शामिल पैदल यात्री गजानंद महाराज के भजनों पर झूमते हुए गतंव्य की ओर रवाना हो गए। जाटखेडा, रायपुरा, सोंईकलां, बगडुआ, भोगिका होते हुए यह पैदल यात्रा दांतरदा पहुंची,जहां सभी पैदल यात्रियों ने भोजन करने के बाद रात्रि विश्राम किया।

जयकारों के साथ रवाना हुई मदन मोहन जी की पैदल यात्रा

उधर रघुनाथपुर कस्बे से सोमवार की सुबह राजस्थान के करौली में विराजित श्री मदन मोहन जी महाराज के दर्शनों के लिए एक पैदल यात्रा जयकारो के साथ रवाना हुई। श्री मदन मोहन जी भक्त मंडल रघुनाथपुर की अगुवाई में रवाना हुई यह पैदल यात्रा 1 जुलाई को करौली पहुंच जाएगी। जहां भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद 2 जुलाई को श्री मदन मोहन जी के दरबार में छप्पन भोग लगाए जाएंगे। इस पैदल यात्रा में समिति अध्यक्ष शिवम गर्ग, उपाध्यक्ष विष्णु राठौर तथा समिति सदस्य संदीप गर्ग, मुकेश कुशवाह, महावीर राठौर, मनोज वीरपुर, संतोष गोयल सहित कई धर्मप्रेमी लोग शामिल थे।

जिम्मेदारों की अनदेखी की पोल खोल रहा झूलता बिजली का खंभा

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

सलमान्या सायलो केन्द्र के पास सड़क किनारे लगा एक बिजली खंभा इन दिनों नीचे झूलते हुए जहां हादसो को आमत्रंण देता नजर आ रहा है। वहीं बिजली कंपनी के जिम्मेदारों की अनदेखी की पोल भी खोलता दिख रहा है। सडक किनारे आंधी के कारण झुका ये बिजली खंभा सडक से गुजरते लोगो को साफ दिख रहा है। जिसे देखकर लोग अंदेशा जता रहे है कि यह बिजली खंभा सिर्फ तारो के सहारे डटा हुआ है,यदि थोडी सी तेज हवा और चल जाए तो इस खंभे को नीचे गिरते देर नहीं लगेगी। इसके बाद भी बिजली कंपनी के मैदानी अमले को यह बिजली का खंभा क्यों दिखाई नहीं पड रहा है। जो बाकई गंभीर चिंता का विषय है।

आत्मनिर्भर बनेंगी ग्राम पंचायतें, प्रशिक्षण आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

क्षेत्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज प्रशिक्षण केंद्र, ग्वालियर द्वारा ग्राम पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने तथा आर्थिक रूप से सुदृढ़ एवं विकसित करने के उद्देश्य से जनपद सभागार श्योपुर में एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत श्योपुर एसएस भटनागर ने कहा कि ग्राम पंचायतों के समग्र एवं सतत विकास के लिए स्वयं के आय के स्त्रोत विकसित करने की आवश्यकता है। आर्थिक संसाधानों के बेहतर उपयोग से पंचायतों को ओर अधिक विकसित बनाने के लिए कार्य किया जा सकता है। उन्होने कहा कि पंचायते स्थानीय करों एवं शुल्कों का प्रभावी निर्धारण तथा स्व-कराधान का संग्रहण सुनिश्चित करते हुए ग्राम विकास कार्यों को गति प्रदान कर सकते है। डीपीएम आरजीएसए उदय धाकड़ ने कहा कि आत्मनिर्भर ग्राम पंचायतों का निर्माण तभी संभव है जब पंचायतें स्थानीय संसाधनों का समुचित उपयोग करते हुए स्वयं की आय में निरंतर वृद्धि करें। उन्होंने बताया कि स्व-कराधान के माध्यम से पंचायतें अपने क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों का बेहतर क्रियान्वयन कर सकती हैं तथा वित्तीय स्वावलंबन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ा सकती हैं।प्रशिक्षण केंद्र ग्वालियर के मास्टर

ट्रेनर मनीष कुमार ने प्रतिभागियों को मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम के अंतर्गत करारोपण संबंधी प्रावधानों, विभिन्न प्रकार के करों एवं शुल्कों, उनकी वसूली की प्रक्रिया, कर निर्धारण, मांग एवं संग्रहण की कार्यवाही तथा पंचायतों की वित्तीय सुदृढ़ता में ओएसआर की भूमिका पर विस्तार से प्रशिक्षण प्रदान किया। उन्होंने उदाहरणों एवं व्यवहारिक अभ्यास के माध्यम से प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। कार्यक्रम में खंड पंचायत अधिकारी मनोहर सिंह चौहान, बी.सी. आरजीएसए शिवकुमार धाकड़ सहित सरपंच, ग्राम पंचायत सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायकों ने सक्रिय सहभागिता की। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों ने ग्राम पंचायतों में स्थानीय राजस्व संग्रहण को अधिक प्रभावी बनाने तथा पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अपने सुझाव भी साझा किए।

खबर संक्षेप

सर्प के डसने से 6 वर्षीय बालिका की मौत

अशोकनगर। जिले के ईसागढ़ थाने के अंतर्गत ग्राम भर्रोली में अपने परिवार के साथ झोपड़ी में सो रही एक 6 वर्षीय बालिका की सांप के डसने से मौत हो गई। इस घटना में परिजन बालिका को अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना सुबह 4 बजे की है, सांप के डसने के बाद बालिका चीखीं तब उसकी आवाज सुनकर परिजन उठे, देखा तो विस्तर में सांप था परिवार जन यहां एक निमार्णाधीन मकान के पास झोपड़ी बनाकर रह रहे थे तभी यह घटना हुई।

मारपीट की घटनाओं के कई मामले दर्ज

अशोकनगर। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में मारपीट की घटनाओं के कईं मामले दर्ज किए गये हैं। जिले के सिटी कोतवाली अशोकनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत पठार मोहल्ला निवासी यशोदा बाई ओझा ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी मुकुल पाठक ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के ईसागढ थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम ओड़ीला निवासी रतिराम आदिवासी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी प्रेम, रोशन और प्रेम के ससुर ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। इसी घटना में दूसरे पक्ष की ओर स प्रेमनारायण आदिवासी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि रतिराम और राहुल आदिवासी ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के पिपरई थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम मूडरी निवासी गणेशराम अहिरवार ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी रघुनाथ और अवतार यादव ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के सेहराई थाना क्षेत्र के मारपीट का मामला सामने आया है, पुलिस ने राहुल, सोनू यादव, छोटू, रामदेवी, बृजकुमार सरोजबाई यादव पर रास्ता रोककर मारपीट किए जाने का मामला दर्ज किया है।

अज्ञात आरोपी बाइक चोरी कर ले गया

अशोकनगर। जिले के मुंगावली थाने के अंतर्गत ग्राम डोंगरा निवासी प्रे्रम सिंह यादव ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि मुंगावली की सरकारी अस्पताल के परिसर से कोई अज्ञात आरोपी उसकी बाइक चोरी कर ले गया, जिसका नंबर एमपी 67 एमसी 9974 है, पुलिस ने अज्ञात पर मामला दर्ज किया है।

मंडल के सभी बूथों पर बैठक कर सुनी मन की बात

शाढ़ौरा। भारतीय जनता पार्टी मंडल शाढ़ौरा में सभी बूथों पर बूथ समिति की बैठक कर डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि मनाई गई एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात को सुना। कार्यक्रम के मंडल के कार्यक्रम प्रभारी सुरेंद्र सिंह सेजी ने बताया कि 23 जून से 06 जुलाई तक चलने वाले कार्यक्रमो में बूथ स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें सभी बूथों पर बूथ प्रभारी सहित कार्यकर्ताओं द्वारा सफल आयोजन किए जा रहे हैं इसके तहत बूथो पर मंडल प्रभारी सुनील रघुवंशी, मंडल अध्यक्ष अतुल रघुवंशी, उपाध्यक्ष भूपेन्द्र दुबे, उपाध्यक्ष शिवराज सिंह,उपाध्यक्ष हरवीर सिंह छापर, वरिष्ठ नेता हनुमंत सिंह खाईखेड़ा, युवा मोर्चा अध्यक्ष रामू रघुवंशी ने कार्यक्रम किए।

मरीज परेशान, सांसद-विधायक, प्रभारी मंत्री व कलेक्टर समस्या का निराकरण नहीं करवा सके

जिला अस्पताल में डॉक्टरों की कमी का संकट 23 में से मात्र 2 मेडिकल ऑफिसर पदस्थ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अशोकनगर

अशोकनगर का जिला अस्पताल इन दिनों डॉक्टरों की भारी कमी से जूझ रहा है, मेडीकल ऑफिसरों के 23 पद जिला अस्पताल के लिए स्वीकृत हैं लेकिन 5 डॉक्टरों की बदली होने के बाद अब 2 डॉक्टर ही पदस्थ हैं, जिसके कारण विशेषज्ञ डॉक्टरों को इमरजेंसी डयूटी करना पड़ रही है। डॉक्टरों के अभाव में मरीजों का क्या हो रहा होगा, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है, जिला अस्पताल प्रशासन कलेक्टर, सांसद, विधायक, प्रभारी मंत्री, सभी को अवगत करा चुका है, स्वास्थ्य आयुक्त को भी पत्र जा चुके हैं, लेकिन सिंधिया के प्रभाव के इस जिले में जिला अस्पताल की हालत सुधरने के स्थान पर और डावाडोल होती जा रही है।

200 बिस्तर का अस्पताल, 400 को इलाज, ट्रामा सेंटर के लिए कोई स्टाफ नहीं

जिला अस्पताल अशोकनगर के लिए 200 बिस्तर का अस्पताल स्वीकृत है, 400 मरीज भर्ती होकर उपचार करा रहे हैं, प्रतिदिन ओपीडी में 700 से 800 मरीज आ रहे हैं, मौसमी बीमारियां शुरू होते ही यह संख्या दोगुनी हो जाती है। जिला मुख्यालय पर अब एक नया 300 विस्तर का अस्पताल बनाया जा रहा है, इस 300 बिस्तर के अस्पताल के लिए अभी तक शासन से कोई स्वीकृति नहीं है अगर शासन से स्वीकृति मिल गई होती तो स्टाफ स्वीकृत हो जाता। जब 200 बिस्तर वाले अस्पताल के लिए डॉक्टर नहीं मिल रहे हैं तब 300 बिस्तर वाले अस्पताल के लिए क्या होगा। नए बन रहे 300 बिस्तर के अस्पताल के साथ वर्तमान 200 बिस्तर के अस्पताल को मिलाकर अब आने वाले समय में 500 बिस्तर अस्पताल के लिए स्टाफ स्वीकृत कराना होगा, क्योंकि नए अस्पताल के साथ पुराना अस्पताल भी यथावत चलेगा।

मेडीकल ऑफिसर के 23 पद स्वीकृत मात्र 2 पदस्थ

जिला अस्पताल अशोकनगर में वर्तमान में मेडीकल ऑफिसर के 23 पद स्वीकृत हैं, मात्र दो डॉक्टर पदस्थ हैं जिनमें विकास शाक्य और डॉक्टर विपिन शाक्य शामिल हैं। डॉक्टर विकास शाक्य का भी स्थानांतरण हो गया था लेकिन वह भोपाल से निरस्त हो गया है, जिला अस्पताल से जिन डॉक्टरों ने अपने स्थानांतरण करा लिए हैं उनमें डॉक्टर शेलेन्द्र रघुवंशी अशोकनगर से बालाघाट चले गए हैं, डॉ. अरूण अहिरवार अशोकनगर से राजगढ चले गए हैं, डा. विकास यादव को अशोकनगर जिले के पीएससी केन्द्र राजपुर पर भेजा गया है, डॉक्टर गौरव बसंल ने अपना स्थानातंरण अशोकनगर से गुना करा लिया है, डॉक्टर नीलम धुर्वे अशोकनगर से भोपाल चली गई हैं, डॉक्टर अंकुर तारई ने अपने पद से त्याग पत्र दे दिया है, यह सब होने के बाद एक भी नया डॉक्टर नहीं आया है।

विशेषज्ञ डॉक्टरों के 25 पद, 12 ही पदस्थ

वर्तमान में जिला अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टरों के 25 पद हैं, जिनमें से 12 ही पदस्थ हैं, जिनमें डॉ. संतोष रघुवंशी, डॉ. मनीष चैरसिया, डॉ. राजकुमार जैतवार, डॉ. मुकेश गोलिया, डॉ. बीएल टैगोर, डॉ. अजय गहलोत, और डॉ. आर.के राहुल पदस्थ हैं। विशेषज्ञ डॉ. बीएल टैगोर ने बताया कि हमारे द्वारा ग्वालियर उच्च न्यायालय से स्थगन आदेश लिया गया था कि विशेषज्ञ डॉक्टरों को डयूटी पर न लगाया जाए। अभी कुछ और डॉक्टरों ने स्टे ले लिया है, इसके बाबजूद भी इन डॉक्टरों का कहना है कि उनके द्वारा मेडीकल ऑफिसर न होने के बाद भी इमरजेंसी डयूटी दी जा रही थी। उधर कईं डॉक्टरों को दिन में और रात में दो पारी में डयूटी करना पड़ रही है।

सिविल सर्जन का भी स्थानांतरण

जिला अस्पताल में जो विशेषज्ञ डॉक्टर पदस्थ हैं उनके अलावा जिन डॉक्टरों के पद खाली हैं उनमें रेडियोलाजिस्ट, नेत्र रोग विशेषज्ञ, मनोरोग विशेषज्ञ, स्किन विशेषज्ञ, के पद खाली हैं इसके अलावा शिशु रोग विशेषज्ञ के रूप में 6 पद स्वीकृत हैं जिनमें 3 पद भरे हुए हैं जिनमें डॉ. संतोष रघुवंशी, डॉ. सीमा चैहान, डॉ. नीतेश जैन शामिल हैं, शेष तीन डॉक्टरों के पद रिक्त हैं। वर्तमान में अशोकनगर के सिविल सर्जन डॉ. भूपेन्द्र शेखावत का स्थानांतरण अशोकनगर से इन्दौर हो गया है, उनका पद भी रिक्त हो गया है। इसी प्रकार जिला अस्पताल के मेडीकल ऑफिसर डॉ. जयकृत सिंह शाढ़ौरा में बीएमओं के पद पर पदस्थ चल रहे हैं। अभी यह तय नहीं हुआ है कि सिविल सर्जन का पदभार कौन देखेगा। क्योंकि शासन स्थानांतरण तो कर रहा है लेकिन बदले में पोस्टिंग नहीं की जा रही है।

सिविल सर्जन ने कहा उन्होंने बेहतर सेवाएं दीं

जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉक्टर भूपेन्द्र शेखावत ने बताया कि वह एक वर्ष तक यहां पर पदस्थ रहे उनके द्वारा ओपीडी केन्द्र पर बेहतर व्यवस्था की गई है, एक सोनोग्राफी की मशीन जिला अस्पताल को मिली है तथा बच्चों की ईको मशीन में मांगी गई है जो जल्द ही अस्पताल को मिल सकती है। जिला अस्पताल के ब्लड बैंक पर रक्तदान की क्षमता बढ़ाने के प्रयास किए गए, इस

जिला अस्पताल में दो मशीनें आने के बाद भी बंद पड़ी हैं कोई टेक्निशियन नहीं

जिला अस्पताल के आरएमओ डॉ. बीएल टैगोर ने बताया कि जिला अस्पताल परिसर में ट्रामा सेंटर चल रहा है, लेकिन ट्रामा सेंटर के लिए कोई स्टाफ स्वीकृत नहीं है। यहां जिला अस्पताल में टीएमसी मशीन आने के बाद भी रखी हुई है, जिसमें लोगों को दौड़ाया जाता है, जो बंद पड़ी है। ईको कॉरियोग्राफी मशीन भी आ चुकी है लेकिन टेक्निशियन नहीं हैं जिसके कारण यह मशीन बंद पड़ी है, इन मशीनों का उपयोग नहीं हो पा रहा है। जिसके कारण जिला अस्पताल में आने वाले मरीजों को सुविधाएं नहीं मिलने के कारण या तो उन्हें उपचार कराने के लिए बाहर जाना पड़ रहा है या फिर जिला अस्पताल से उन्हे रैफर कर दिया जाता है।

इनका कहना है

जिला अस्पताल अशोकनगर में डॉक्टरों के पद स्थानांतरण के बाद और कम हो गए हैं, यहां डॉक्टरों की भारी कमी होने के कारण इमरजेंसी डयूटी विशेषज्ञ डॉक्टरों को करना पड़ रही है, उनके कार्यकाल में यह प्रयास रहा है कि अस्पताल को बेहतर से बेहतर सुविधाएं प्राप्त हो सकें। ब्लड बैंक में 5000 यूनिट का लक्ष्य तय करने का सबसे बड़ा प्रयास है। यहां सोनोग्राफी की नई मशीन भी आ गई है और बच्चों को ईकों मशीन मांगी गई है।

डॉ. भूपेन्द्र शेखावत सिविल सर्जन जिला अस्पताल अशोकनगर।

जिला अस्पताल 200 बिस्तर का है 400 मरीज भर्ती हो रहे हैं, ओपीडी में भी 700 से 800 की संख्या में मरीज आ रहे हैं, यहां 5 डॉक्टरों के स्थानांतरण हो गए हैं, अब दो मेडीकल ऑफिसर हैं जिन्हें अस्पताल में मरीजों को देखना है। हमारे द्वारा इमरजेंसी डयूटी की गई है, लेकिन आगे कैसे अस्पताल चलेगा इस संबंध में कलेक्टर द्वारा स्वास्थ्य आयुक्त को पत्र लिखा जा चुका है, लेकिन अभी तक कुछ नहीं हुआ है। अभी तो हमने डयूटी कर ली है 1 जुलाई से कैसे अस्पताल चलेगा यह समस्या सामने आ रही है, वर्तमान सिविल सर्जन का भी स्थानांतरण हो गया है, वह भी एक दो दिन में चले जाएंगें, इस पद को भी भरा जाना है।

डॉ. बीएल टैगोर आरएमओ जिला अस्पताल।

महाराणा प्रताप जयंती पर अशोकनगर में निकाला भव्य चल समारोह

अशोकनगर। रविवार को शौर्य, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति के अमर प्रतीक महाराणा प्रताप की जयंती पर अशोकनगर में भव्य चल समारोह श्रद्धा, उत्साह और गौरव के साथ निकाला गया। उक्त चल समारोह नगर के प्रमुख मार्गो से गुजरते इस विशाल आयोजन में बदल गया।

समाज के सभी वर्गो की सहभागिता ने यह संदेश दिया कि राष्ट्र के लिए समर्पण और आत्मसम्मान की भावना आज भी जनमानस में जीवंत है। चल समारोह में युवाओं का जोश, सहभागिता, पारंपरिक वेशभूषा, आकर्षक झांकी और गूंजते देशभक्ति के उद्घोष वातावरण को गौरवमय बना रहे थे।

नगरवासियों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर चल समारोह का आत्मीय स्वागत किया। महाराणा प्रताप केवल इतिहास के वीर योद्धा नहीं, बल्कि स्वतंत्रता, स्वाभिमान, त्याग और अदम्य साहस के ऐसे प्रेरणास्रोत हैं, जिनका जीवन हर पीढ़ी को अन्याय के विरुद्ध डटकर खड़े होने और मातृभूमि के सम्मान के लिए सर्वस्व अर्पित करने की प्रेरणा देता है। अशोकनगर की पावन धरा पर निकला यह भव्य चल समारोह केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि अपनी सांस्कृतिक विरासत, राष्ट्रीय चेतना और वीरता के आदर्शों के प्रति सामूहिक श्रद्धांजलि का सशक्त स्वरूप बनकर उभरा है।

ईसागढ़ में जमीन विवाद का शोले स्टाइल ड्रामा

100 फीट ऊंचे टावर पर चढ़े दो आदिवासी पांच घंटे तक थमी रहीं प्रशासन की सांसें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अशोकनगर

जिले की ईसागढ़ तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम मन्हेंटी में रविवार को उस समय सनसनी फैल गई,जब प्रशासनिक बेरुखी और जमीन सीमांकन में कथित धांधली से आक्रोशित होकर दो आदिवासी युवक शोले स्टाइल में करीब 100 फीट ऊंचे मोबाइल टावर पर जा चढ़े। दोपहर करीब 1 बजे से शुरू हुआ यह हाई-वोल्टेज ड्रामा लगभग पूरे 5 घंटे से अधिक समय तक चला,जिसने पूरे जिले के प्रशासनिक और पुलिस अमले को हिलाकर रख दिया। टावर पर चढ़े युवकों ने साफ चेतावनी दी थी कि यदि उन्हें न्याय नहीं मिला, तो वे ऊपर से कूदकर अपनी जान दे देंगे। हालांकि, बाद में मौके पर पहुंचे आला अधिकारियों की सूझबूझ और लिखित आश्वासन के बाद दोनों को सुरक्षित नीचे उतारा गया, जिसके बाद प्रशासन ने राहत की सांस ली।

निष्पक्ष सीमांकन नहीं तो मौत मंजूर जिद पर अड़े रहे संग्राम और फूलसिंह- प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़ित संग्राम आदिवासी और फूलसिंह आदिवासी लंबे समय से अपनी पैतृक कृषि भूमि के सही सीमांकन के लिए दफ्तरों के चक्कर काट रहे थे। उनका आरोप था कि राजस्व विभाग के कुछ अधिकारियों की मिली भगत से उनकी जमीन की हेराफेरी की जा रही है। रविवार को जब उनकी बर्दाश्त का बांध टूट गया,तो वे सीधे गांव में स्थित मोबाइल टावर के शिखर पर जा पहुंचे। टावर के नीचे सैकड़ों ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। युवकों का कहना था कि जब तक वरिष्ठ अधिकारी मौके पर आकर निष्पक्ष सीमांकन का ठोस भरोसा नहीं देते,वे नीचे नहीं उतरेंगे। न्याय की आस में दोनों युवक जान जोखिम में डालकर घंटों टावर पर डटे रहे।

उपजाऊ जमीन छीनी, बंजर थमाई आदिवासी नेता ने लगाए गंभीर आरोप- इस पूरे घटनाक्रम को लेकर आदिवासियों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। मामले में हस्तक्षेप करते हुए आदिवासी नेता रणवीर आदिवासी ने प्रशासन पर गंभीर और संगीन आरोप लगाए हैं। उन्होंने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि यह आदिवासियों के हक पर सीधा डाका है। वर्षों से जिस उपजाऊ जमीन पर यह आदिवासी परिवार खून-पसीना बहाकर खेती कर रहे थे और अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे थे, उसे रसूखदारों के दबाव में बदलकर इन्हें अनुपयोगी और बंजर जमीन आवंटित कर दी गई। संग्राम आदिवासी की 45 बीघा जमीन में से केवल 8 बीघा और फूलसिंह आदिवासी की 5 बीघा जमीन में से मात्र आधा बीघा जमीन का ही कब्जा इन्हें दिया गया है। इस अन्याय के खिलाफ आदिवासियों में गहरा असंतोष है।

छावनी में तब्दील हुआ मन्हेंटी गांव, सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीमें दलबल के साथ तुरंत मौके पर पहुंचीं। माहौल बिगड़ने की आशंका को देखते हुए गांव में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया, जिससे मन्हेंटी गांव कुछ ही देर में छावनी में तब्दील हो गया। टावर के नीचे तनाव का माहौल चरम पर था। अधिकारियों ने संवेदनशीलता और सूझबूझ का परिचय देते हुए लाउड स्पीकर के माध्यम से टावर पर चढ़े युवकों से संवाद स्थापित किया। उन्हें आश्वस्त किया गया कि मामले की री-ओपनिंग कर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी और दोषियों पर कार्रवाई होगी। प्रशासनिक सूझबूझ और मान-मनौव्वल के लंबे दौर के बाद दोनों पीड़तिों को सुरक्षित नीचे उतारा जा सका। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि मामले को गंभीरता से लिया गया है और राजस्व रिकॉर्ड की दोबारा जांच कराकर आदिवासियों को उनका हक दिलाया जाएगा, ताकि भविष्य में ऐसी किसी अप्रिय स्थिति की पुनरावृत्ति न हो।

20 हेक्टेयर वन भूमि से हटाया गया अतिक्रमण वन विभाग ने चलाया सख्त अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अशोकनगर

जिले में वन भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए वन विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में रविवार को वन परिक्षेत्र अशोकनगर अंतर्गत सबरेंज महोली की बीट महोली के कक्ष क्रमांक पीएफ-88 में लगभग 20.000 हेक्टेयर वन भूमि से अतिक्रमण हटाने की बड़ी कार्रवाई की गई। यह अभियान मुख्य वन संरक्षक शिवपुरी, वनमंडल अधिकारी अशोकनगर एवं एसडीओ (वन) अशोकनगर के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में संचालित किया गया। कार्रवाई के दौरान वन परिक्षेत्र अशोकनगर एवं मुंगावली के वन अमले ने संयुक्त रूप से अतिक्रमणकारियों को बेदखल कर वन भूमि को मुक्त कराया। अतिक्रमण हटाने के बाद वन भूमि की सुरक्षा एवं संरक्षण को ध्यान में रखते हुए मौके पर अतिक्रमण रोधी कंटूर ट्रेंच खुदाई का कार्य भी कराया गया, ताकि भविष्य में दोबारा अतिक्रमण की संभावना को रोका जा सके तथा वन क्षेत्र के संरक्षण को मजबूती मिले। इस संयुक्त अभियान में वन परिक्षेत्र अशोकनगर, मुंगावली तथा महिला वन स्टाफ की भूमिका विशेष रूप से सराहनीय रही। विभागीय अधिकारियों ने इसे वन संरक्षण की दिशा में कदम बताते हुए कहा अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

रास्ते के विवाद में की हत्या का मात्र 8 घंटे में खुलासा, 4 आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अशोकनगर

बहादुरपुर थाने के अंतर्गत ग्राम पुरा मथाना में रास्ते के विवाद में हुई हत्या का 08 घण्टे में खुलासा करते हुये पुलिस ने 04 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। दोनों पक्षों की ओर से मामले दर्ज कराए गए हैं, इस खूनी संघर्ष में एक की मौत हो गई है। उल्लेखनीय है कि फरियादी वीरन पुत्र इमरत सिंह गुर्जर, उम्र 25 वर्ष, निवासी ग्राम पुरा मथाना ने थाना बहादुरपुर में रिपोर्ट लेख कराई कि मेरा व मेरे गांव के शैतान गुर्जर के परिवार वालों से खेत पर जाने के रास्ते पर से विवाद चल रहा है, 27.जून की शाम 4.30 बजे शैतान सिंह गुर्जर व उसके परिवार वालों ने मिलकर मेरे भाई बृजेश की हत्या कर दी। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना बहादुरपुर में हत्या का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुये पुलिस अधीक्षक अशोकनगर राजीव कुमार मिश्रा ने थाना प्रभारी बहादुरपुर उनि. नीलम सिंह यादव के नेतृत्व में टीम गठित कर प्रकरण में त्वरित कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। पुलिस टीम द्वारा कार्यवाही करते हुये प्रकरण के आरोपी रामक्रेश पुत्र शैतानसिंह गुर्जर, उम्र 30 वर्ष, जितेन्द्र पुत्र रामस्वरूप गुर्जर, उम्र 19 वर्ष, राजकुमार पुत्र फूलसिंह गुर्जर, उम्र 19 वर्ष एवं लक्ष्मण उर्फ गोटीराम गुर्जर, उम्र 28 वर्ष सभी निवासी ग्राम पुरा मथाना को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

चार साल से चल रहे जमीनी विवाद में एक दर्जन घायल- घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति है और एहतियातन पुलिस बल तैनात किया गया है। बताया गया है कि पुरा गांव के खेतों में फूलसिंह गुर्जर एवं ष्यामसुंदर गुर्जर नाम के दो भाईयों के मकान खेत पर बने हैं। इन दोनों भाईयों के खेतों व मकान तक पहुंचने के लिए कोई रास्ता नहीं था। आगे जिस व्यक्ति का खेत था, उसमें से आने-जाने से हमेषा विवाद होता था। इस विवाद में बीते चार वर्षों के दौरान एफआईआर भी हुईं और मामला राजस्व विभाग के पास भी पहुंचा। दोनों पक्ष कलेक्टर के समक्ष भी जनसुनवाई में गए। किंतु इस मामले का अब तक कोई निराकरण नहीं हो सका था।

ऐसे में षनिवार दोपहर को जब फूलसिंह एवं श्यामसुंदर अपने अन्य परिजनों के साथ उक्त रास्ते पर मुरम डालने लगे तो दूसरे पक्ष से बृजेष गुर्जर मौके पर पहुंच गया। जिससे उनका विवाद हुआ और बृजेष को प्राण घातक चोटें आईं। इस घटना की जानकारी लगते ही बृजेष के परिजन मौके पर पहुंच गए। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठियां चलीं और मौके पर मौजूद पत्थर बरसे। इस खूनी संघर्ष में बृजेष की जहां मौत हो गई, वहीं उसके परिजनों में वकील, रामचरण, इमरत सिंह, भोलाराम, वीरन और परमाल सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। दूसरे पक्ष से फूलसिंह, ष्यामसुंदर, षैतान सिंह, रामकृष्ण, राजकुमार और जितेन्द्र गुर्जर भी गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर लगा मजमा, तीन गाड़ियों से भेजे घायल- घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तो पुलिसकर्मियों के होष उड़ गए। तुरंत अन्य वाहनों को बुलाकर सभी घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर सभी को जिला अस्पताल रिफर कर दिया। सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाने के लिए एंबुलेंस सहित कुल 3 वाहनों की व्यवस्था करनी पड़ी। इस घटना के बाद सैकड़ों की संख्या में लोग अस्पताल में एकत्रित हो गए। जहां पुलिस ने फिर भीड़ को मौके से हटाया।

पंचायत भवन में एलईडी टीवी पर विभिन्न सूचनात्मक कार्यक्रम और वीडियो दिखाए गए

प्राणपुर में पुलिस ने कैंप लगाकर ग्रामीणों को साइबर फ्रॉड और डिजिटल अरेस्ट से बचने के गुर सिखाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अशोकनगर

थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम प्राणपुर में पुलिस प्रशासन द्वारा साइबर अपराधों पर लगाम लगाने और ग्रामीणों को जागरुक करने के उद्देश्य से एक विशेष जागरूकता कैंप का आयोजन किया गया। ग्राम पंचायत कार्यालय में आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण जन एकत्रित हुए।

एलईडी टीवी पर दिखाए लाइव उदाहरण -चंदेरी थाना प्रभारी प्रशांत यादव और उनकी टीम ने इस कैंप में आधुनिक तकनीक का सहारा लिया। ग्रामीणों को जागरुक करने के लिए पंचायत भवन में एलईडी टीवी लगाई गई, जिस पर विभिन्न सूचनात्मक कार्यक्रम और वीडियो दिखाए गए। इन वीडियो के माध्यम से ग्रामीणों को बेहद सरल भाषा में समझाया गया कि साइबर ठग किस तरह लोगों को डराकर डिजिटल अरेस्ट के जाल में फंसाते हैं और उनसे लाखों रुपये ऐंठ लेते हैं।

थाना प्रभारी ने दी अहम जानकारियां- थाना प्रभारी प्रशांत यादव ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए कहा कि आज के दौर में साइबर अपराधी नए-नए तरीकों से लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। उन्होंने मुख्य बातें साझा करते हुए बताया कानून में शिडिजिटल अरेस्टश जैसा कोई प्रावधान नहीं हैरू कोई भी पुलिस या सरकारी एजेंसी वीडियो कॉल पर किसी को गिरफ्तार नहीं करती और न ही पैसे की मांग करती है। अनजान कॉल से रहें सावधान यदि कोई खुद को पुलिस, सीबीआई या कस्टम अधिकारी बताकर डराए, तो घबराएं नहीं। तुरंत फोन काट दें। गोपनीय जानकारी न बदलें, अपने बैंक खाते की जानकारी, ओटीपी या व्यक्तिगत डेटा साझा करें।

ग्रामीणों ने दिखाई उत्सुकता - पुलिस की इस अनूठी पहल को लेकर ग्रामीण जनों में भारी उत्साह और रुचि देखी गई। ग्रामीणों ने न केवल टीवी पर दिखाए गए कार्यक्रमों को ध्यान से देखा, बल्कि साइबर फ्रॉड से जुड़े अपने सवाल भी पुलिस अधिकारियों के सामने रखे, जिनका मौके पर ही समाधान किया गया। इस मौके पर चंदेरी थाने के पुलिसकर्मी और ग्राम पंचायत के प्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।